



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

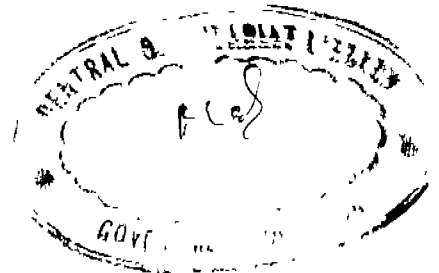
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 45]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, फरवरी 1, 2001/माघ 12, 1922

No. 45]

NEW DELHI, THURSDAY, FEBRUARY 1, 2001/MAGHA 12, 1922

विधि, न्याय और कंपनी कार्य मंत्रालय

(कंपनी कार्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 31 जनवरी, 2001

सा. का. नि. 52(अ).—/केन्द्रीय सरकार, कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 383क की उपधारा (1) के परंतुक के साथ पठित धारा 642 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :-

1. सक्षिप्त नाम और विस्तार - (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम कंपनी (अनुपालन प्रमाण पत्र) नियम, 2001 है ।
(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे ।
2. परिभाषाएं - इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो, -
(क) “अधिनियम” से कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) अभिप्रेत है ;
(ख) “प्रमाण पत्र” से अधिनियम की धारा 383क की उपधारा (1) के परंतुक में उल्लिखित प्रमाण पत्र अभिप्रेत है;
(ग) “प्ररूप” से इन नियमों के साथ संलग्न प्ररूप अभिप्रेत है ;
(घ) उन शब्दों और पदों के जो इन नियमों में प्रयुक्त हैं किन्तु इन नियमों में परिभाषित नहीं हैं, वही अर्थ होंगे जो उनके अधिनियम में क्रमशः हैं ।
3. अन्वय शक्तें - (1) ऐसी प्रत्येक कंपनी, जिससे अधिनियम की धारा 383क का उपधारा (1) के अधीन पूर्णकालिक सचिव नियोजित करना अपेक्षित नहीं है और जिसके पास दस लाख रुपए या इससे अधिक की समादत्त शेयर पूंजी है, पूर्णकालिक व्यवसायगत सचिव से प्रमाण पत्र अभिप्राप्त करेगी ।
(2) उपधारा (1) में निर्दिष्ट कंपनी उन परिस्थितियों के बारे में, जो प्रत्येक वित्तीय वर्ष की बाबत स्वीकार्य है, उस तारीख से तीस दिन के भीतर जिसको उसका वार्षिक साधारण अधिवेशन किया गया था, प्ररूप य. उसके लगभग समान रूप में एक प्रमाण पत्र रजिस्ट्रार के पास फाइल करेगी :

परंतु जहां ऐसी कंपनी का किसी वर्ष के लिए वार्षिक साधारण अधिवेशन नहीं किया गया है वहां रजिस्ट्रार के पास उस अंतिम तारीख से तीस दिन के भीतर या उस तारीख से पहले जिसको अधिनियम के उपबंधों के अनुसार अधिवेशन किया जाना चाहिए था, ऐसा प्रमाण पत्र फाइल किया जाएगा।

(3) उपधारा (2) में निर्दिष्ट प्रमाण पत्र जारी करने के प्रयोजन के लिए पूर्णकालिक व्यवसायस्त प्रत्येक सचिव को कंपनी के रजिस्ट्रार, पुस्तकों, कागज पत्रों, दस्तावेजों और अभिलेखों का जो चाहे इस अधिनियम या किसी अन्य अधिनियम के अनुसरण में अथवा अन्यथा रखे गए हों और चाहे वे कंपनी के रजिस्ट्रिकृत कार्यालय में या अन्यत्र रखे गए हों, हर समय अभिगम करने का अधिकार होगा और कंपनी के अधिकारियों या अभिकर्ताओं से ऐसी जानकारी और स्पष्टीकरण की अध्यपेक्षा करने का हकदार होगा जिन्हें पूर्णकालिक व्यवसायस्त सचिव ऐसे प्रमाण पत्र के प्रयोजन के लिए आवश्यक समझे।

(4) उपधारा (2) में निर्दिष्ट प्रत्येक प्रमाण पत्र कंपनी द्वारा अपने वार्षिक साधारण अधिवेशन में रखा जाएगा।

प्रारूप

[नियम 3 देखिए]

अनुपालन प्रमाण पत्र

सेवा में,

सदस्यगण

..... (कंपनी का नाम)

मैंने/हमने कंपनी अधिनियम, 1956 (अधिनियम) और उसके अधीन बनाए गए नियमों तथा कंपनी के संगम ज्ञापन और संगम अनुच्छेदों में अंतर्विष्ट उपबंधों के अधीन रखे जाने के लिए अपेक्षित रूप में लिमिटेड (कंपनी) के 31 मार्च, 20.... को समाप्त हुए वित्तीय वर्ष के लिए रजिस्ट्रार, अभिलेखों, पुस्तकों और कागज पत्रों की जांच की है, मेरी/हमारी राय में तथा मेरी/हमारी सर्वोत्तम जानकारी में और मेरे/हमारे द्वारा की गई जांचों तथा कंपनी, उसके अधिकारियों और अभिकर्ताओं द्वारा मुझे/हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार मैं/हम यह प्रमाणित करता हूँ/करते हैं कि पूर्वोक्त वित्तीय वर्ष की बाबत, -

1. कंपनी ने अधिनियम के उपबंधों और उसके अधीन बनाए गए नियमों के अनुसार इस प्रमाण पत्र के साथ उपाबंध 'क' में यथाकथित सभी रजिस्टर रखे हैं और उन्हें बनाए रखा है तथा उनमें सभी प्रविष्टियां सम्यक रूप से अभिलिखित की गई हैं।
2. कंपनी ने कंपनी रजिस्ट्रार, प्रादेशिक निदेशक, केन्द्रीय सरकार, कंपनी विधि बोर्ड या अन्य प्राधिकारियों के पास अधिनियम और उसके अधीन बनाए गए नियमों के अधीन विहित समय के भीतर इस प्रमाण पत्र के साथ उपाबंध 'ख' में यथाकथित प्रारूप और विवरणियां सम्यक रूप से फाइल कर दी हैं।
3. कंपनी के पास, जो प्राइवेट लिमिटेड कंपनी है, न्यूनतम विहित समादत्त पूंजी है और उक्त वित्तीय वर्ष के दौरान इसके सदस्यों की अधिकतम संख्या थी जिसके अंतर्गत इसके विद्यमान और भूतपूर्व कर्मचारी सम्मिलित नहीं है तथा कंपनी ने संवीक्षाधीन वर्ष के दौरान, -

(i) जनता को अपने शेयर या डिबेंचरों के लिए प्रतिभूत करने हेतु आमंत्रित नहीं किया है ; और

(ii) अपने सदस्यों, निदेशकों या उनके नातेदारों से भिन्न व्यक्तियों से कोई निक्षेप आमंत्रित या प्रतिगृहीत नहीं किए हैं।

4. निदेशक बोर्ड की (तारीख) को (समय) पर सम्यक रूप से बैठक की जिनकी बाबत उचित रूप से सूचना दी गई थी और उनकी कार्यवाहियों को उचित रूप से लेखबद्ध किया गया था तथा उनपर हस्ताक्षर किए गए थे जिनके अंतर्गत उक्त प्रयोजन के लिए रखी गई कार्यवृत्त पुस्तक में पारित संकल्प के परिपत्र भी सम्मिलित हैं।
5. कंपनी ने से तक के अपने सदस्य रजिस्टर और/या डिबेंचरधारियों के रजिस्टर को बंद कर दिया है और अधिनियम की धारा 154 का आवश्यक अनुपालन किया गया है।
6. को समाप्त हुए वित्तीय वर्ष के लिए वार्षिक साधारण अधिवेशन कंपनी के सदस्यों को सम्यक सूचना देने के पश्चात् को किया गया था और उसमें पारित संकल्पों को उक्त प्रयोजन के लिए रखी गई कार्यवृत्त पुस्तक में सम्यक रूप से लेखबद्ध किया गया था।

7. उक्त वित्तीय वर्ष के दौरान कंपनी के सदस्यों को सम्यक सूचना देने के पश्चात्, असाधारण अधिवेशन किया गया था/ किए गए थे और उसमें/उनमें पारित संकल्पों को उक्त प्रयोजन के लिए रखी गई कार्यवृत्त पुस्तक में सम्यक रूप से लेखबद्ध किया गया था ।
8. कंपनी ने अधिनियम के उपबंधों का पालन करने के पश्चात्, अपने निदेशकों और/या अधिनियम की धारा 295 में निर्दिष्ट व्यक्तियों या फर्मों अथवा कंपनियों को रूपरेखा की रकम उधार दी है ।
9. कंपनी ने अधिनियम की धारा 297 के उपबंधों का, उस धारा में विनिर्दिष्ट संविदाओं की बाबत, सम्यक रूप से अनुपालन किया है ।
10. कंपनी ने अधिनियम की धारा 301 के अधीन रखे गए रजिस्टर में आवश्यक प्रविष्टियां की हैं ।
11. कंपनी ने, जहां भी लागू हो, अधिनियम की धारा 314 के अनुसरण में निदेशक बोर्ड, सदस्यों के आवश्यक अनुमोदन और केन्द्रीय सरकार का पूर्ण अनुमोदन अभिप्राप्त कर लिया है ।
12. निदेशक बोर्ड या सम्यक रूप से गठित निदेशकों की समिति ने शेयर प्रमाण पत्रों की दूसरी प्रतियां जारी करने का अनुमोदन कर दिया है ।
13. कंपनी ने,
 - (i) अधिनियम के उपबंधों के अनुसार प्रतिभूतियों के आबंटन पर और अंतरण/पारेषण या किसी अन्य प्रयोजन के लिए उनके जमा करने पर सभी प्रमाण पत्र परिदत्त कर दिए हैं ;
 - (ii) घोषित लाभांशों की रकम जिसके अंतर्गत अंतरिम लाभांश की रकम भी है, पूथक बैंक खाते में जमा कर दी है और वह ऐसे लाभांश की घोषणा की तारीख से पांच दिन के भीतर किया गया है ।
 - (iii) घोषणा की तारीख से 30(तीस) दिन की अवधि के भीतर सभी सदस्यों को लाभांश के लिए वारंट संदत्त कर दिए हैं/ डाक से भेज दिए हैं तथा सभी अदावाकृत/असंदत्त लाभांश बैंक में को कंपनी के खाते में असंदत्त लाभांश में अंतरित कर दिए हैं ।
 - (iv) असंदत्त लाभांश खाते में की रकमों को, प्रतिसंदाय के लिए शोध्य आवेदन धन, परिपक्व निक्षेपों, परिपक्व डिबेंचरों और उन पर प्रोदभूत ब्याज को जो सात वर्ष की अवधि तक अदावाकृत या असंदत्त पड़े रहे हैं, असंदत्त लाभांश खाते में विनिधानकर्ता शिक्षा और संरक्षण निधि में अंतरित कर दिया है ।
 - (v) अधिनियम की धारा 217 की अपेक्षाओं का सम्यक रूप से पालन किया है ।
14. कंपनी के निदेशक बोर्ड का सम्यक रूप से गठन किया जाता है और आकस्मिक रिक्तियों को भरने के लिए निदेशकों, अतिरिक्त निदेशकों, आनुकल्पिक निदेशकों और निदेशकों की नियुक्ति सम्यक रूप से की गई है ।
15. प्रबंध निदेशक/ पूर्णकालिक निदेशक/ प्रबंधक की नियुक्ति अधिनियम की अनुसूची 13 के साथ पठित धारा 269 के उपबंधों के पालन में की गई है और की ऐसी नियुक्ति की बाबत जो अनुसूची 13 के अनुसार नहीं है, केन्द्रीय सरकार का अनुमोदन अभिप्राप्त कर लिया गया है ।
16. एक मात्र विक्रय अधिकर्ता की नियुक्ति अधिनियम के उपबंधों के अनुपालन में की गई थी ।
17. कंपनी ने केन्द्रीय सरकार, कंपनी विधि बोर्ड, प्रादेशिक निदेशक, रजिस्ट्रार या ऐसे अन्य प्राधिकारियों के, जो अधिनियम के विभिन्न उपबंधों के अधीन विहित किए जाएं, सभी आवश्यक अनुमोदन अभिप्राप्त कर लिए हैं जिन्का ब्योरा नीचे दिया गया है :-
18. निदेशकों ने अधिनियम और उसके अधीन बनाए गए नियमों के उपबंधों के अनुसरण में निदेशक बोर्ड को अन्य फर्मों/कंपनियों में अपने हित प्रकट कर दिए हैं ।
19. कंपनी ने उक्त वित्तीय वर्ष के दौरान शेयर/डिबेंचर/अन्य प्रतिभूतियां निर्गमित की हैं और अधिनियम के उपबंधों का अनुपालन किया है ।
20. कंपनी ने को समाप्त होने वाले वित्तीय वर्ष के दौरान, अधिनियम के उपबंधों का अनुपालन करने के पश्चात्, शेयर क्रय द्वारा वापस लिए हैं ।
21. कंपनी ने उक्त वित्तीय वर्ष के दौरान, अधिनियम के उपबंधों का अनुपालन करने के पश्चात्, अधिमानी शेयरों/डिबेंचरों का मोचन किया है ।

22. कंपनी ने अधिनियम के उपबंधों के अनुपालन में शेयरों के अंतरण के रजिस्ट्रीकरण के लंबित रहने तक, जहां भी आवश्यक है, लाभांश के अधिकारों, अधिकाराश्रित शेयरों और बोनस शेयरों को प्रास्थगित रखा है।
23. कंपनी ने कंपनी (निक्षेप का प्रतिग्रहण) नियम, 1975 के साथ पठित धारा 58क और 58कक के उपबंधों / भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी किए गए लागू होने वाले निदेशों/ प्रतिगृहीत निक्षेपों की बाबत जिनके अंतर्गत उक्त वर्ष के दौरान कंपनी द्वारा रूपए के लिए गए अप्रतिभूत उधार की रकम भी सम्मिलित है, किसी अन्य प्राधिकार का अनुपालन किया है और कंपनी ने को कंपनी रजिस्ट्रार के पास या अपेक्षित विज्ञापन की प्रति/विज्ञापन के स्थान पर कथन की प्रति/आवश्यक विवरणियां फाइल कर दी हैं। कंपनी ने कंपनी रजिस्ट्रार/भारतीय रिजर्व बैंक/अन्य प्राधिकारियों के पास निक्षेपों की विवरणियां भी फाइल कर दी हैं।
24. कंपनी द्वारा को समाप्त होने वाले वित्तीय वर्ष के दौरान निदेशकों, सदस्यों, जनता, वित्तीय संस्थाओं, बैंकों और अन्य से उधार ली गई रकम कंपनी की उधार लेने की सीमाओं के भीतर है/हैं और अधिनियम की धारा 293(1)(घ) के अनुसार आवश्यक संकल्प सम्यक् रूप से बुलाए गए वार्षिक/असाधारण आम अधिवेशन में पारित किए हैं।
25. कंपनी ने अधिनियम के उपबंधों के अनुपालन में अन्य निगमित निकायों को उधार दिए हैं और विनिधान किए हैं या प्रत्याभूत दी है अथवा प्रतिभूतियां दी हैं।
26. कंपनी ने कंपनी के रजिस्ट्रीकृत कार्यालय की स्थिति को परीक्षाधीन वर्ष के दौरान एक राज्य से दूसरे राज्य में परिवर्तित करने की बाबत अधिनियम के उपबंधों का अनुपालन करने के पश्चात् संगम ज्ञापन के उपबंधों में परिवर्तन किया है।
27. कंपनी ने परीक्षाधीन वर्ष के दौरान कंपनी के उद्देश्यों की बाबत संगम ज्ञापन के उपबंधों में परिवर्तन किया है और अधिनियम के उपबंधों का अनुपालन किया है।
28. कंपनी ने परीक्षाधीन वर्ष के दौरान कंपनी के नाम के संबंध में संगम ज्ञापन के उपबंधों में परिवर्तन किया है और अधिनियम के उपबंधों का अनुपालन किया है।
29. कंपनी ने परीक्षाधीन वर्ष के दौरान कंपनी की शेयर पूंजी के संबंध में संगम अनुच्छेद के उपबंधों में परिवर्तन किया है और अधिनियम के उपबंधों का अनुपालन किया है।
30. कंपनी ने को हुए साधारण अधिवेशन में सदस्यों का अनुमोदन अभिप्राप्त करने के पश्चात् अपने संगम अनुच्छेदों में परिवर्तन किया है और संगम अनुच्छेदों में संशोधनों को कंपनी रजिस्ट्रार के यहां सम्यक् रूप से रजिस्टर कर लिया है।
31. कंपनी के विरुद्ध अधिनियम के अधीन अभिकथित अपराधों के लिए आरंभ किए गए अभियोजन या कंपनी को प्राप्त कारण बताओ सूचना की तथा ऐसे मामलों में कंपनी पर अधिरोपित जुर्मानों और शास्तियों या किसी अन्य दंड की सूची संलग्न की जाती है।
32. कंपनी ने प्रमाणन के अधीन वर्ष के दौरान अपने कर्मचारियों से प्रतिभूति के रूप में रूपए प्राप्त किए हैं और उन्हें अधिनियम की धारा 417(1) के उपबंधों के अनुसार जमा कर दिया गया है।
33. कंपनी ने अधिनियम की धारा 418 के अनुसरण में विहित प्राधिकारियों के पास भविष्यनिधि में कर्मचारियों और नियोजक दोनों का अभिदाय जमा कर दिया है।

टिप्पण : प्रतिबंध, शर्त या प्रतिकूल टिप्पणियों का, यदि कोई हो, सुसंगत स्थान पर कथन किया जा सकेगा।

स्थान

तारीख :

हस्ताक्षर

कंपनी सचिव का नाम

सी.पी.सं.

उपाबंध क

कंपनी द्वारा रखे जाने वाले रजिस्टर

1. धारा..... के अधीन
2. धारा..... के अधीन
3. धारा..... के अधीन

उपाबंध ख

31 मार्च, 20..... को समाप्त होने वाले वित्तीय वर्ष के दौरान कंपनी द्वारा कंपनी रजिस्ट्रार, प्रादेशिक निदेशक, केन्द्रीय सरकार या अन्य प्राधिकारियों के पास फाइल किए जाने वाले प्रस्म और विवरणियां ।

1.के लिए धारा..... के अधीन फाइल किया गया प्रस्म सं.
2.के लिए धारा..... के अधीन फाइल किया गया प्रस्म सं.
3.के लिए धारा..... के अधीन फाइल किया गया प्रस्म सं.

[फा. सं. 1/14/2000-सीएल. पी]

ए. रामास्वामी, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

(Department of Company Affairs)

NOTIFICATION

New Delhi, the 31st January, 2001

G. S. R. 52(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 642 read with proviso to sub-section (1) of section 383A of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), the Central Government hereby makes the following rules, namely: -

1. **Short Title and Commencement.** - (1) These rules may be called the Companies (Compliance Certificate) Rules, 2001

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
2. **Definitions.**- In these rules, unless the context otherwise requires,-
 - (a) "Act" means the Companies Act, 1956 (1 of 1956),
 - (b) "Certificate" means a certificate referred to in the proviso to sub-section (1) of section 383A of the Act,
 - (c) "Form" means Form appended to these rules, and
 - (d) the words and expressions used in these rules but not defined in these rules shall have the same meanings respectively assigned to them in the Act.
3. **Other Conditions.**- (1) Every company not required to employ a whole-time secretary under sub-section (1) of section 383A of the Act and having a paid-up share capital of ten lakh rupees or more shall obtain a certificate from a secretary in whole-time practice

(2) The company referred to in sub-rule (1) shall file with the Registrar a certificate in Form or as near thereto as circumstances admit in respect of each financial year within thirty days from the date on which its annual general meeting was held

Provided that where the annual general meeting of such company for any year has not been held, there shall be filed with the Registrar such certificate within thirty days from the latest day on or before which that meeting should have been held in accordance with the provisions of the Act

(3) Every secretary in whole-time practice for the purpose of issue of certificate referred to in sub-rule (2) shall have right to access at all times to the registers, books, papers, documents and records of the company whether kept in pursuance of the Act or any other Act or otherwise and whether kept at the registered office of the company or elsewhere and shall be entitled to require from the officers or agents of the company, such information and explanations as the secretary in whole-time practice may think necessary for the purpose of such certificate

(4) Every certificate referred to in sub-rule (2) shall be laid by the company in its annual general meeting

FORM
[SEE RULE 3]

Compliance Certificate

To,

The Members

_____(Name of the company)

I /We have examined the registers, records, books and papers of _____ Limited (the Company) as required to be maintained under the Companies Act 1956 (the Act) and the rules made thereunder and also the provisions contained in the Memorandum and Articles of Association of the Company for the financial year ended on 31st March 20____. In my/our opinion and to the best of my/our information and according to the examinations carried out by me/us and explanations furnished to me/us by the company, its officers and agents, I/we certify that in respect of the aforesaid financial year:

- 1 the company has kept and maintained all registers as stated in Annexure 'A' to this certificate as per the provisions and the rules made thereunder and all entries therein have been duly recorded
- 2 the company has duly filed the forms and returns as stated in Annexure 'B' to this certificate with the Registrar of Companies Regional Director Central Government, Company Law Board or other authorities within the time prescribed under the Act and the rules made thereunder
- 3 the company being private limited company has the minimum prescribed paid-up capital and its maximum number of members during the said financial year was _____ excluding its present and past employees and the company during the year under scrutiny
 - (i) has not invited public to subscribe for its shares or debentures and
 - (ii) has not invited or accepted any deposits from persons other than its members directors or their relatives
4. the Board of Directors duly met _____ times on _____ (dates) in respect of which meetings proper notices were given and the proceedings were properly recorded and signed including the circular resolutions passed in the Minutes Book maintained for the purpose
- 5 the company closed its Register of Members, and/or Debentureholders from _____ to _____ and necessary compliance of section 154 of the Act has been made.
6. the annual general meeting for the financial year ended on _____ was held on _____ after giving due notice to the members of the company and the resolutions passed thereat were duly recorded in Minutes Book maintained for the purpose
- 7 _____ extra ordinary meeting(s) was/were held during the financial year after giving due notice to the members of the company and the resolutions passed thereat were duly recorded in the Minutes Book maintained for the purpose
8. the company has advanced loan amounting to Rs. _____ to its directors and/or persons or firms or companies referred in the section 295 of the Act after complying with the provisions of the Act.

9. the company has duly complied with the provisions of section 297 of the Act in respect of contracts specified in that section.
10. the company has made necessary entries in the register maintained under section 301 of the Act.
11. the company has obtained necessary approvals from the Board of Directors, members and previous approval of the Central Government pursuant to section 314 of the Act wherever applicable.
12. the Board of Directors or duly constituted Committee of Directors has approved the issue of duplicate share certificates.
13. the Company has:
 - (i) delivered all the certificates on allotment of securities and on lodgment thereof for transfer/transmission or any other purpose in accordance with the provisions of the Act,
 - (ii) deposited the amount of dividend declared including interim dividend in a separate bank account on _____ which is within five days from the date of declaration of such dividend.
 - (iii) paid/posted warrants for dividends to all the members within a period of 30 (Thirty) days from the date of declaration and that all unclaimed/unpaid dividend has been transferred to Unpaid Dividend Account of the Company with _____ Bank on _____.
 - (iv) transferred the amounts in unpaid dividend account, application money due for refund, matured deposits, matured debentures and the interest accrued thereon which have remained unclaimed or unpaid for a period of seven years to Investor Education and Protection Fund.
 - (v) duly complied with the requirements of section 217 of the Act.
14. the Board of Directors of the company is duly constituted and the appointment of directors additional directors, alternate directors and directors to fill casual vacancies have been duly made.
15. the appointment of Managing Director/ Whole-time Director/Manager has been made in compliance with the provisions of section 269 read with Schedule XIII to the Act and approval of the Central Government has been obtained in respect of appointment of _____ not being in terms of Schedule XIII.
16. the appointment of sole-selling agents was made in compliance of the provisions of the Act
17. the company has obtained all necessary approvals of the Central Government, Company Law Board Regional Director Registrar or such other authorities as may be prescribed under the various provisions of the Act as detailed below:-
18. the directors have disclosed their interest in other firms/companies to the Board of Directors pursuant to the provisions of the Act and the rules made thereunder
19. the company has issued _____ shares/debentures/other securities during the financial year and complied with the provisions of the Act.

20. the company has bought back _____ shares during the financial year ending _____ after complying with the provisions of the Act
21. the company has redeemed _____ preference shares/debentures during the year after complying with the provisions of the Act
22. the company wherever necessary has kept in abeyance rights to dividend, rights shares and bonus shares pending registration of transfer of shares in compliance with the provisions of the Act
23. the company has complied with the provisions of sections 58A and 58AA read with Companies (Acceptance of Deposit) Rules, 1975/ the applicable directions issued by the Reserve Bank of India / any other authority in respect of deposits accepted including unsecured loans taken, amounting to Rs _____ raised by the company during the year and the company has filed the copy of Advertisement/Statement in lieu of Advertisement/ necessary particulars as required with the Registrar of Companies _____ on _____. The company has also filed return of deposit with the Registrar of Companies/Reserve Bank of India/other authorities
24. the amount borrowed by the Company from directors, members public, financial institutions, banks and others during the financial year ending – is/are within the borrowing limits of the company and that necessary resolutions as per section 293(1)(d) of the Act have been passed in duly convened annual/extraordinary general meeting
25. the company has made loans and investments, or given guarantees or provided securities to other bodies corporate in compliance with the provisions of the Act and has made necessary entries in the register kept for the purpose
26. the company has altered the provisions of the memorandum with respect to situation of the company's registered office from one state to another during the year under scrutiny after complying with the provisions of the Act
27. the company has altered the provisions of the memorandum with respect to the objects of the company during the year under scrutiny and complied with provisions of the Act
28. the company has altered the provisions of the memorandum with respect to name of the company during the year under scrutiny and complied with the provisions of the Act
29. the company has altered the provisions of the memorandum with respect to share capital of the company during the year under scrutiny and complied with the provisions of the Act
30. the company has altered its articles of association after obtaining approval of members in the general meeting held on _____ and the amendments to the articles of association have been duly registered with the Registrar of Companies
31. a list of prosecution initiated against or show cause notices received by the company for alleged offences under the Act and also the fines and penalties or any other punishment imposed on the company in such cases is attached
32. the company has received Rs _____ as security from its employees during the year under certification and the same has been deposited as per provisions of section 417(1) of the Act

33. the company has deposited both employee's and employer's contribution to Provident Fund with prescribed authorities pursuant to section 418 of the Act

Note. The qualification, reservation or adverse remarks, if any, may be stated at the relevant places.

Place.

Date

Signature

Name of Company Secretary

C. P. No.

Annexure A

Registers as maintained by the Company

1. ----- u/s -----

2. ----- u/s -----

3. ----- u/s -----

Annexure B

Forms and Returns as filed by the Company with the Registrar of Companies, Regional Director, Central Government or other authorities during the financial year ending on 31st March, 20____

1 Form No. ----- Filed u/s ----- for -----

2 Form No. ----- Filed u/s ----- for -----

3 Form No. ----- Filed u/s ----- for -----

[F No 1/14/2000-CL. V]
A. RAMASWAMY, Jt. Secy.